भावना – बुजुर्गों का परिवार

भारतीय वरिष्ठ नागरिक समिति

वरिष्ठ नागरिकों तथा निर्बल एवं असहाय जनों के हितों को समर्पित अखिल भारतीय समाजसेवी महासमिति।
सोसायटीज़ रजिस्ट्रेशन ऐक्ट, 1860 के अन्तर्गत लखनऊ में पंजीकृत। पंजीयन संख्या : 662/2000–01

507, कसमन्डा अपार्टमेन्ट्स, 2, पार्क रोड, हजरतगंज, लखनऊ – 226001, भारत
फोन: +91-522-4016048 वेबसाइट: www.bhavanaindia.org ई.मेल: bhavanasindia@gmail.com

भावना का बीसवाँ वार्षिक महाधिवेशन सोल्लास सम्पन्न

उत्तर प्रदेश में **माता–पिता एवं वरिष्ठ नागरिक भरण–पोषण तथा कल्याण अधिनियम 2007** एवं **उत्तर प्रदेश माता–पिता एवं वरिष्ठ नागरिक भरण–पोषण तथा कल्याण नियमावली 2014** तथा **उत्तर प्रदेश राज्य वरिष्ठ नागरिक नीति** के प्राविधानों को येन केन प्रकारेण यथाशीघ्र पूर्णतः लागू कराना **भारतीय वरिष्ठ नागरिक समिति (भावना)** के लिए सर्वोच्च प्राथमिकता का कार्य होगा। यह घोषणा रविवार, 23 फरवरी, 2020 को गिरि विकास अध्ययन संस्थान के प्रेक्षागृह में सम्पन्न हुए **भावना** के **बीसवें वार्षिक महाधिवेशन** में सर्वसम्मति से की गई। इस अवसर पर भावना–सदस्यों के साथ–साथ वरिष्ठ नागरिकों की तथा उनका हित–चिन्तन करने वाली कई अन्य संस्थाओं के पदाधिकारी भी उपस्थित थे।

बैठक में इन ज्वलंत तथ्यों पर विचार किया गया कि वर्तमान समय में वरिष्ठ नागरिकों की संख्या देश में कुल आबादी की 10 प्रतिशत है जो वर्ष 2050 तक बढ़कर 22 प्रतिशत हो जाएगी, अर्थात प्रत्येक चार में एक व्यक्ति वरिष्ठ नागरिक होगा। 73 प्रतिशत वरिष्ठ नागरिक निरक्षर हैं तथा गरीबी रेखा से नीचे जीवन यापन कर रहे हैं। 70 प्रतिशत वरिष्ठ नागरिक ग्रामों में रहते हैं। 66 प्रतिशत इतने गरीब हैं कि उन्हें दो वक्त की रोटी भी नसीब नहीं है। अनपढ़ होने के कारण उन्हें जीविकोपार्जन हेतु शारीरिक श्रम पर ही निर्भर होना पड़ता है। इतना भयावह परिदृश्य होने के बावजूद उत्तर प्रदेश सरकार तथा केन्द्र सरकार भी वरिष्ठ नागरिकों की समस्याओं के प्रति अब तक पूर्णतः उदासीन रही है। विचारोपरांत बैठक में वरिष्ठ नागरिकों के हित के 14 प्रस्ताव सर्वसम्मति से पारित किए गए तथा निर्णय लिया गया कि आने वाले दिनों में **भावना** द्वारा इन के अनुरूप ही यथावान्छित कार्यवाही की जाएगी। **भावना** द्वारा वरिष्ठ नागरिकों की तथा उनका हित–चिन्तन करने वाली अन्य संस्थाओं के सहयोग से प्रदेश के हर नगर एवं ग्राम में बिना जाति, धर्म, वर्ण, लिंग अथवा आर्थिक स्थिति का भेद किए सभी वरिष्ठ नागरिकों को जागरूक करने के प्रयास किए जायेंगे ताकि वे उन सुविधाओं से वंचित न रहें जो शासन से उन्हें पहले से ही अनुमन्य हैं तथा उन सुविधाओं की वे साधिकार माँग कर सकें जो उन्हें मिलनी चाहिए।

भावना द्वारा निर्बल एवं असहाय जनों के हित में चलाए जा रहे विभिन्न सेवा प्रकल्प यथावत जारी रखने का निर्णय भी इस बैठक में लिया गया। तदनुसार समिति द्वारा प्रायोजित एवं वित्त–पोषित **शिक्षा सहायता योजना** का लाभ आगामी शिक्षा–सत्र में भी कक्षा 8 तथा नीचे की कक्षाओं में पढ़ रहे कम से कम 100 गरीब मेधावी बच्चों को 1200 रुपए की दर से उपलब्ध कराया जाएगा। वर्तमान सत्र में **भावना** से सहयोग प्राप्त जो बच्चे कक्षा 8 तथा 9 की परीक्षा में कम से कम 60 प्रतिशत अंकों से उत्तीर्ण होंगे उन्हें क्रमशः कक्षा 9 तथा 10 में पढ़ने के लिए 1800 रुपए की दर से सहयोग दिया जाएगा। इसी प्रकार वर्तमान सत्र में **भावना** से सहयोग प्राप्त जो बच्चे कक्षा 10 व 11 की परीक्षा में कम से कम 60 प्रतिशत अंकों से उत्तीर्ण होंगे उन्हें क्रमशः कक्षा 11 तथा 12 में पढ़ने के लिए 2000 रुपए की दर से सहयोग दिया जाएगा। शहरी तथा ग्रामीण गरीब एवं विकलांग जनों के हित की सरकारी योजनाओं का लाभ पात्र व्यक्तियों को दिलाने हेतु **भावना** उनके तथा शासन तंत्र के बीच सकारात्मक कड़ी का काम करेगी। आगामी शीत ऋतु में लखनऊ जनपद तथा निकटवर्ती अन्य जनपदों के नगरीय तथा ग्रामीण इलाकों में भिन्न भिन्न स्थानों पर **निर्धन–जन सेवा शिविर** आयोजित करके कम से कम 800 पूर्व–चिन्हित निर्धन परिवारों को प्रति परिवार एक एक नया ऊनी कम्बल प्रदान किया जाएगा तथा कम से कम 2000 निर्धन पुरुषों–महिलाओं–बच्चों को पहनने–ओढ़ने–बिछाने के ऊनी–सूती कपड़े, बर्तन आदि दिए जायेंगे।

अधिवेशन के उद्घाटन सत्र में **भावना** के वयोवृद्ध सदस्यों, **माननीय श्री दीपक कुमार पंत, श्री नरेश चंद्र रस्तोगी, श्री ओम शंकर अस्थाना, श्री प्रेम प्रकाश अरोरा, श्री रघुबर दयाल सिंघल, श्री राजेन्द्र प्रसाद कक्कड़, डॉ. राम किशोर सक्सेना, श्री रासबिहारी लाल, श्री सुरेन्द्र बहादुर सिंह,**

क्रमशः.....2

डॉ. श्री कृष्ण सिंह, श्री सुरेश कुमार टी. गोविला, श्री अशोक कुमार शर्मा, श्री पुरुषोत्तम दास गर्ग, श्री प्रेम शंकर गौतम तथा श्री कृष्ण मोहन श्रीवास्तव का पुष्प–गुच्छ देकर एवं अंगवस्त्र पहनाकर सार्वजनिक अभिनन्दन किया गया।

कार्यक्रम में **भावना** के निम्नलिखित सदस्यों को प्रशस्ति लेख देकर सम्मानित किया गया क्योंकि उनके कार्य विगत सत्र में अति उत्तम तथा सर्वोत्तम पाए गए थे:

- श्री जगत बिहारी अग्रवाल, प्रमुख महासचिव का कार्य **सर्वोत्तम** पाया गया।
- श्री अनिल कुमार शर्मा, अध्यक्ष, एन.सी.आर. शाखा का कार्य **सर्वोत्तम** पाया गया।
- श्री शिव शंकर प्रसाद शुक्ल, अध्यक्ष, उन्नाव शाखा का कार्य **अति उत्तम** पाया गया।
- श्री सतपाल सिंह, महासचिव(एडवोकेसी), का कार्य **अति उत्तम** पाया गया।
- श्री देवेन्द्र स्वरूप शुक्ल, उपमहासचिव(कार्यान्वयन) का कार्य **अति उत्तम** पाया गया।
- श्री जगमोहन लाल जायसवाल उपमहासचिव(प्रशासन),
- श्री मनोज कुमार गोयल, सम्प्रेक्षक, का कार्य **अति उत्तम** पाया गया।
- श्री राम मूर्ति सिंह, सदस्य, का कार्य **अति उत्तम** पाया गया।
- श्रीमती दया शुक्ल, सदस्य, का कार्य **अति उत्तम** पाया गया।
- श्रीमती नीना अग्रवाल, सदस्य, का कार्य **अति उत्तम** पाया गया।
- विद्युत पेंशनर्स परिषद उत्तर प्रदेश का कार्य **अति उत्तम** पाया गया।
- विजयश्री फ़ाउन्डेशन (प्रसादम् सेवा) का कार्य **अति उत्तम** पाया गया।

कार्यक्रम के मुख्य अतिथि, **नोयडा तथा येडा के पूर्व मुख्य कार्यकारी अधिकारी कैप्टेन एस.के. द्विवेदी आई.ए.एस.(से.नि.)** ने अपने सम्बोधन में कहा कि उन्हें यह देख कर प्रसन्नता हो रही है कि **भावना** अपने सदस्यों के माध्यम से समाज सेवा कर रही है। इससे उनका मन संतुष्ट एवं प्रफुल्लित होता होगा तथा निराशावादी विचार उनके पास आ भी नहीं पाते होंगे। उन्होंने **भावना** के उद्देश्यों एवं कार्यक्रमों की सराहना करते हुए कहा कि **भावना** इसी विचारधारा पर कार्य कर रही है और कदाचित इसी लिए इस संस्था से जुड़े बुजुर्गों में इतना उत्साह तथा इतनी ताजगी देखने को मिल रही है। उन्होंने कहा कि **भावना** के सदस्य दूसरों की पीड़ा को अपनी पीड़ा समझकर काम करते हैं और इसीलिए इनके अंदर इतना अधिक सेवाभाव है। उन्होंने **भावना** के कार्यक्रमों में यथासम्भव अपना सहयोग देने का संकल्प भी व्यक्त किया।

सभा को इलाहाबाद उच्च न्यायालय के निवर्तमान न्यायाधीश न्यायमूर्ति श्री करण लाल शर्मा, उत्तर प्रदेश राज्य विद्युत परिषद के पूर्व अध्यक्ष श्री अरुण कुमार वशिष्ठ, हेल्पेज इंडिया के निदेशक श्री अशोक कुमार सिंह तथा **भावना** के उन सभी वयोवृद्ध सदस्यों ने भी सम्बोधित किया जिनका सार्वजनिक अभिनन्दन किया गया।

इससे पूर्व अतिथियों का स्वागत करते हुए **भावना** के अध्यक्ष, श्री विनोद कुमार शुक्ल ने भारत में वर्तमान समय में हो रही वरिष्ठ नागरिकों की दुर्दशा पर संक्षेप में प्रकाश डालते हुए कहा कि **भावना–आन्दोलन** उनकी दशा सुधारने की दिशा में एक विनम्र किन्तु सुदृढ़ प्रयास है। उपमहासचिव श्री रमा कांत पाण्डेय ने **भावना** द्वारा गत एक वर्ष में किए गए जनहितकारी कार्यों का संक्षिप्त ब्यौरा प्रस्तुत किया तथा भविष्य की योजनायें बताईं। कार्यक्रम का संचालन उपमहासचिव श्री जगमोहन लाल जायसवाल द्वारा अत्यंत कुशलता पूर्वक किया गया।

(विनोद कुमार शुक्ल)
अध्यक्ष
मो. 9335902137